आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

बर्ष :13 अंक :400 पृष्ठ -4 दिनांक 12 फरवरी 2025 दिन बुधवार

महाकुंभ ट्रैफिक जमा पर सीएम योगी सख्त, कहा- क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू

प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति, एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना, हमारी जिम्मेदारी है.

उत्तरप्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार देर रात शासन स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक की. इसमें प्रयागराज, कौशाम्बी, कानपुर, सुल्तानपुर, अमेठी, वाराणसी, अयोध्या, मीरजापुर, जौनपुर, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, भदोही, रायबरेली, गोरखपुर, महोबा और लखनऊ आदि जनपदोंध्जोनध्रेंज में तैनात वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और मंडलायुक्तों के अलावा जिला प्रशासन के अधिकारियों शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष बैठक कर महाकुंभ की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. विशेष बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा प्रमुख दिशा-निर्देश दिए गए.आगामी 12 फरवरी को महाकुंभ का पंचम स्नान पर्व श्माघ पूर्णिमा का अवसर आने वाला है. सार्वजनिक परिवहन के अतिरिक्त बड़ी संख्या में निजी वाहनों से भी लोगों का आगमन हो रहा है. स्नान पर्व पर इसमें और अधिक बढ़ोतरी संभावित है. इसके दृष्टिगत बेहतर ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट प्लान लागू किया जाए.दिए निर्देश बैठक में निर्देश दिया गया कि प्रयागराज की सीमा पर बने पार्किंग स्थलों को प्रभावी रूप से संचालित करते रहें. 05 लाख से अधिक क्षमता की वाहन पार्किंग व्यवस्था है, इसका उपयोग करें. बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों का सहयोग करें किंतु नियमविरुद्ध एक भी वाहन मेला परिक्षेत्र में प्रवेश न होने दें. लोगों को पार्किंग व्यवस्था के अनुपालन के लिए प्रेरित करें. श्रद्धालुओं के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार होना चाहिये.सीएम

ने निर्देश दिया कि सड़कों पर वाहन की कतार न लगे. कहीं भी ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं बननी चाहिए. कहीं भी सड़क पर वाहन खड़ा नहीं होने दें. वाहनों का मूवमेंट लगातार बना रहना चाहिए. प्रयागराज से सीमा साझा करने वाले सभी डीएम लगातार प्रयागराज प्रशासन से संपर्क-समन्वय बनाये रखें. वाहनों का मूवमेंट परस्पर समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें. आवश्यकता के अनुसार बैरीकेडिंग लगाई जाए. टोल के नाम पर जाम न लगने पाए.बस बढ़ाने का निर्देश मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति है. यह वो श्रद्धालु हैं जो अब स्नान करके अपने घर लौट रहे हैं. एक-एक श्रद्धालु को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाना, हमारी जिम्मेदारी है. इसके लिए रेलवे से संपर्क-समन्वय बनाकर ट्रेनों का लगातार संचालन सुनिश्चित कराया जाए. सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के दृष्टिगत आज एडीएम और एसडीएम स्तर के 28 प्रशासनिक अधिकारियों सहित अनेक पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है. इन सभी की यथा आवश्यकता सेवा ली जाए. पुलिस अधिकारियों को ट्रैफिक मैनेजमेंट में लगाया जाना चाहिए.भीड़ का दबाव न बनने पाए- सीएम उन्होंने निर्देश दिया कि महाकुंभ मेला क्षेत्र में आवागमन लगातार चलता रहे. अनावश्यक लोगों को न रोकें. कहीं भी भीड़ का दबाव न बनने पाए. मार्गों पर जाम नहीं होना चाहिए. यदि कहीं स्ट्रीट वेंडर आदि मार्गों पर हों तो उन्हें खाली एरिया में व्यवस्थपित करें. .प्रयागराज से संबद्ध सभी मार्गों पर पुलिस पेट्रोलिंग जारी रखें. क्रेन, एम्बुलेंस की उपलब्धता रहे. रीवा मार्ग, अयोध्या-प्रयागराज, कानपुर-प्रयागराज, फतेहपुर-प्रयागराज, लखनऊ-प्रतापगढ़-प्रयागराज,वाराणसी-प्रयागराज जैसे सभी मार्गों पर कहीं भी यातायात अवरुद्ध नहीं होना चाहिए. प्रयागराज से वापसी के सभी मार्गों को लगातार खुला रखा जाना चाहिए. प्रयागराज महाकुम्भ में पूरी दुनिया से लोगों का आगमन हो रहा है. अब तक 44 करोड़ 75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम स्नान का पुण्य लाभ प्राप्त किया है. यह दुनिया के इतिहास का सबसे बड़ा मानव समागम है. प्रयागराज वासियों ने जिस प्रकार संयम दिखाया है और व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग कर रहे हैं, वह अभिनन्दन के योग्य है. मेले की व्यवस्था के साथ-साथप्रयागराज के दैनंदिनी जीवनचर्या को सुचारू बनाये रखना भी सुनिश्चित किया जाए. संबंधित जनपद इसके दृष्टिगत सतर्क और सावधान रहे. सभी आयोजन सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ महाकुम्भ आने वाले लाखों श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या में भीदर्शन-पूजन के लिए पहुंच रहे हैं.उन्होंने कहा कि चित्रकूट और मीरजापुर में भी बड़ी संख्या में लोगों का आगमन हो रहा है. अगले दो दिनों में और अधिक लोगों के आगमन की संभावना है. इसके दृष्टिगत तीनों प्रमुख ही नगरों में विशेष सतर्कता की आवश्यकता है. सतर्कता-सावधानी बनाये रखें. होल्डिंग एरिया बनाकर लोगों को रोकें और परिस्थितियों के अनुसार आगे बढ़ने दें. बैरिकेडिंग का उपयोग करें. ट्रैफिक का बेहतर प्रबंधन हो. पार्किंग की उचित व्यवस्था हो. लगातार मॉनीटरिंग करते रहें. भ्रामक सूचनाध्गलत जानकारी को प्रसारित करने वाले अराजक तत्वों को चिन्हित करें और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए, आम जन को तत्काल सही सूचना उपलब्ध कराया जाये.

अयोध्या में 14 फरवरी तक स्कूल बंद, श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए डीएम ने की घोषणा

महाकुंभ में देश के कोने-कोने से आने वाले लोगों की वजह से राम नगरी अयोध्या में भी भक्तों का तांता लग रहा है. अयोध्या में रोजाना 6-8 लाख पर्यटक राम मंदिर के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं जिसका असर असर अयोध्या की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी देखने को मिल रहा है. सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं. जगह-जगह जाम से हालत खराब है. इस बीच अयोध्या में बढ़ती भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी ने 11 फरवरी से 14 फरवरी तक सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है. महाकुंभ से लौटने के बाद भारी संख्या में भक्त अयोध्या का रुख कर रहे हैं जिसकी वजह से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है. अयोध्या में भीड़ बढ़ने की वजह से राम पथ, भक्ति पथ और राम जन्मभूमि पथ को पूरी तरह सील कर दिया गया है. भीड़ की वजह से जगह-जगह बैरिकेि. डंग की गई है. ताकि भीड़ पर नियंत्रण किया जा सके. सड़कों पर जाम की स्थिति के चलते स्थानीय लोगों का भी आना-जाना मुश्किल हो गया है. अयोध्या में बढ़ी पर्यटकों की भीड़अयोध्या में इन दिनों रोजाना 6-8 लाख भक्त राम मंदिर के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं. श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए पुलिस ने वन वे प्लान तैयार किया है. जिसके तहत पूरे रामपथ को वन वे कर दिया गया है और दूसरे रास्ते से निक. ासी की जा रही है. ताकि श्रद्धालुओं के आपस में टकराव की स्थिति पैदा न हो. अयोध्या में भीड़ बढ़ने की वजह से स्थानीय इलाकों में कर्फ्यू जैसे हालात हैं. लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं. ऐसे में बच्चों को भी स्कूल जाने में परेशानी उठानी पड़ रही है. जिसे देखते हुए डीएम ने 14 फरवरी तक जनपद में स्कूल बंद रखने की घोषणा की है. पुलिस प्रशासन व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है. बाहर से आने वाले वाहनों को शहर के बाहर ही रोका जा रहा है. जिसके बाद पर्यटक पैदल आगे बढ़ रहे हैं. वहीं दूसरी तरफ पर्यटकों की भीड़ की वजह से स्थानीय लोगों की परेशानियां भी बढ़ गई हैं. अयोध्या में ज्यादातर दैनिक रोजमर्रा के सामान की दुकानें रामपथ पर ही पड़ती है ऐसे में स्थानीय लोगों के सामान खरीदने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है.

मुरादाबाद में लगन की दावत में हलवा खाना .पड़ा भारी, 70 लोग बीमार, पहुंचे अस्पताल

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में लगन की दावत में हलवा खाना लोगों को भारी पड़ गया, जिसके चलते 70 से ज्यादा लोग फूड प्वाइजनिंग के चलते बीमार हो गए. इन लोगों ने लगन की दावत में खाना खाया था, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और दर्जनों लोगों ने पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की. जिसके बाद उन्हें पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया. इन सभी का हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है. मामला मुरादाबाद में ठाकुर द्वारा के गांव फरी. दनगर का बताया जा रहा है. जहां पर रहने वाले राजपाल सिंह के बेटे विपिन कुमार की लग्न का कार्यक्रम था. विपिन सरकारी स्कूल में शिक्षक है. उसकी शादी की लग्न उत्तराखंड के महुआ खेड़ागंज गांव से आई थी. इस कार्यक्रम में आसपास के गांव से जानकारीं और रिश्तेदारों को बुलाया गया था. शाम को करीब पाँच बजे दावत शुरू हुई. दावत में सब्जी, मिठाईयां, रायता और गाजर का हलवा बनाया गया था. मेहमानों ने दावत खाई, जिसके बाद वो बीमार पड़ने लगे.लग्न का खाना खाने के बाद दर्जनों लोगों को पेट दर्द, उल्टी दस्त के साथ चक्कर आने लग गए. देखते ही देखते कई दोनों पक्षों के कई फूड प्वाइजनिंग से बीमार पड़ने लगे. जिसके बाद बीमार परिजनों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया. अस्पतालों में भी मरीजों के संख्या तेजी से बढ़ने लगी, जिसके बाद वो आसपास के अलग-अलग अस्पताल में पहुंचने लगे. इनमें से कई हालत बेहद खराब बताई जा रही है. इतनी बड़ी तादात में लोगों को हुई फूड पॉइजनिंग से अफरा तफरी मच गई. जिसके बाद कई लोगों को हायर सेंटर में रैफर करना पड़ा. इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ भूपेंद्र ने बताया कि गांव में बीमार पड़ने वाले लोगों ने शादी में दावत खाई थी. इनमें से ज्यादातर लोगों ने हलवा खाया था, जिसकी वजह से उनकी तबीयत होने लगी. ज्यादातर मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद उनके घर भेज दिया गया है. उनके पास आए एक मरीज की हालत गंभीर है उसे अस्पताल में भर्ती किया गया है.

महाकुंभ भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या आएगी .सामने? सीएम योगी ने लगाई अधिकारियों की क्लास

उत्तर प्रदेश स्थित प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या के अवसर पर रात 1 बजे मची भगदड़ में मारे गए लोगों की संख्या को लेकर सियासत जारी है. इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसी मुद्दे पर अधिकारियों की क्लास लगाई है. सूत्रों के मुताबिक मरने वालों की संख्या जारी ना करने को लेकर भी मेला प्रशासन से सरकार नाराज हैं. सूत्रों की मानें तो ब्ड योगी क्ळ कुम्भ वैभव कृष्णा और विजय किरण आनंद से बेहद नाराज हैं. सूत्रों का दावा है कि क्ळ मेला वैभव कृष्णा की कार्यप्रणाली से क्ळच् प्रशांत कुमार भी खफा हैं. इसके अलावा माघी पूर्णिमा स्नान तक ।क्ळ स्च् अमिताभ यश को प्रयागराज में रहने का निर्देश दिए गए हैं. बता दें महाकुंभ में 29 जनवरी के दिन मची भगदड़ में 30 लोगों की मौत की जानकारी सरकार ने दी थी. बताया गया था कि 36 लोग घायल हुए हैं. वहीं विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि सरकार आंकड़े छिपा रही है. सपा चीफ अखिलेश यादव ने भी मंगलवार को एबीपी न्यूज से बातचीत में कहा था कि सरकार ने भगदड़ में मरने वालों की सही संख्या तक नहीं बताई. संसद में बजट सत्र में भी इस पर काफी हंगामा हुआ था.

छह महीने से लापता है बेटी, बुजुर्ग मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल, जिलाधिकारी से लगाई मदद की गुहार

बिल्हौर में छह महीने से गायब बेटी के परेशान मां-बाप ने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई है।कानपुर के बिल्हौर में छह महीने से लापता बेटी न मिलने से परेशान दंपती ने डीएम से मदद की गुहार लगाई है। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे बुजुर्ग दंपती रो-रोकर गेट पर ही बैठ गए। पीड़ित दंपती ने पुलिस प्रशासन द्वारा कोई सुनवाई न होने की बात कही।दंपती ने बताया कि लगभग छह महीने पहले उनकी 26 वर्षीय बेटी खेरेश्वर मंदिर के सरैया घाट पर दीपदान करने के लिए गई थी। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी। उनकी शिकायत पर पुलिस ने जब मंदिर के आसपास सीसीटीवी खंगाले, तो बेटी मंदिर से निकलकर ई-रिक्शा से जाती दिखाई दी थी। करीब 30 मिनट तक गेट पर ही रोते रहे दंपती इसका पीछा एक काली स्कॉर्पियो कर रही थी। स्का. र्पियो सवार बदमाशों ने बेटी का अपहरण कर उसे गायब कर दिया है या उसकी हत्या कर दी है। हमें कुछ भी नहीं पता है। पुलिस भी कोई कार्रवाई नहीं कर रही। करीब 30 मिनट तक गेट पर बैठकर रोते रहे। सूचना पर पहुंची

अस्पताल 50 बेड का, भर्ती सिर्फ तीन मरीज , चंदर नगर अस्पताल की सेवाएं बेपटरी

लखनऊ : चंदर नगर, आलमबाग के 50 बेड अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बेपटरी हैं। यहां के कई वार्डों में ताला पड़ा है। अस्पताल में सिर्फ तीन मरीज भर्ती हैं। गंभीर मरीजों को अन्य अस्पताल का रास्ता दिखाया जा रहा। वहीं, अस्पताल प्रशासन ने इसके पीछे पर्याप्त स्टाफ न होने की दलील दे रहा है।आलमबाग 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय में स्त्री रोग विभाग, बाल रोग विभाग, ईएनटी, मेडि. सिन, नेत्र रोग, सर्जरी समेत अन्य विभाग का संचालन हो रहा है। पूरे अस्पताल में महज तीन मरीज भर्ती हैं। इसमें दो जनरल सर्जरी में एक आर्थोपैडिक यूनिट में एक मरीज भर्ती हैं। महिला वार्ड,जनरल वार्ड, आई वॉर्ड और चिल्ड्रन वार्ड बंद पड़े हैं। उनमें ताला लटक रहा है। आंख के ऑपरेशन के बाद मरीजों को वार्ड में शिफ्ट करने के बजाय कुर्सियों पर लिटाया जा रहा है।अस्पताल में ओपीडी व भर्ती मरीजों की एक्सरे जांच नहीं हो पा रही है। मशीन की मांग की गई है जो अभी तक नहीं मिल पाई है। नतीजा मरीजों को जांच के लिए निजी केंद्र या दूसरे सरकारी अस्पताल की दौड़ लगानी पड़ रही है। अहम बात यह है कि शासन ने एक्सरे टेक्नीशियन तैनात कर दिया है मगर मशीन अभी तक गायब है।अस्पताल में खून की सभी जांचें नहीं हो पा रहीं है। जबकि यहां पर जरूरी मशीनें भी हैं। वर्तमान में सिर्फ सीबीसी जांच की ही सुविधा है। अन्य जांचों के नमूने लोकबंधु अस्पताल भेजे जा रहें हैं। जिनकी रिपोर्ट 24 से 36 घंटे में मिल रही। इससे मरीजों का इलाज शुरू होने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। नमूना भी सुबह 8:30 से 11 बजे तक ही लिया जाता है। बाद में आने वाले मरीजों को अगले दिन बुलाया जा रहा।हमारे यहां स्टाफ की कमी है। लिहाजा उतने ही मरीज लिए जाते हैं जिन्हें आसानी से इलाज मुहैया कराया जा सके। शासन से और स्टाफ की मांग की गई है।

झांसी में हादसा हाइवे पर कार चालक को आई झपकी, .चंद सेकंड में कार खाई में गिरी तीन महिलाओं की मौत

झांसी में हाइवे पर एक कार हादसे का शिकार हो गई। कार चलाते वक्त चालक को नींद आ गई। जिसके बाद गाड़ी खाई में जा गिरी। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई है।झपकी आने पर एक कार सड़क किनारे खाई में पलट गई। जिससे कार सवार एक महिला की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि राजस्थान के भीलभाड़ा निवासी दीपक शर्मा अपने परिवार को लेकर एक कार से प्रयागराज कुंभ में स्नान करने जा रहे थे।दीपक शर्मा की पत्नी पायल शर्मा ने बताया कि वह लोग पहले ओरछा गए थे। ओरछा में रुकने की उचित व्यवस्था न मिलने के कारण वह लोग चित्रकूट जा रहे थे ।जैसे ही वह थाना पूछ अंतर्गत हाईवे पर पहुंचे अचानक दीपक को नींद में झपकी आ गई। जिससे कार असंतुलित हो गई और सड़क किनारे खाई में पलट गई।जिसमें उनकी सास वान कुंवर शर्मा की मौत हो गई। उनका पुत्र अथर्व उम्र 13 वर्ष और मीना देवी और दीपक घायल हो गए। उपचार के लिए मोंठ अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी घायलों की हालत नाजुक होने पर झांसी रेफर कर दिया। सड़क हादसे में मौत की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मंगलवार को सुबह शव का पं. चनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए झांसी भेज दिया।

जिला अस्पताल में एक्स-रे की फिल्म खत्म, स्टाफ नर्स कर रहीं मरीजों का उपचार

अलीगढ़ के मलखान सिंह जिला अस्पताल में अगर आप एक्सरे कराने जा रहे हैं, तो अपने साथ स्मार्टफोन लेकर जाइए। दरअसल, अस्पताल में एक्सरे की फिल्म खत्म हो गई है। जांच कराने आए लोगों को मोबाइल में एक्स–रे की फोटो खींचनी पड़ रही है।

अस्पताल में सीने का एक्स–रे करने पहुंचे मरीजों को एक्स–रे नहीं दी जा रही है। इसके पीछे वजह अस्पताल में फिल्म का न होना तकनीशियन द्वारा बताया गया। मरीजों को बिना एक्स–रे लौटना पड़ा। मरीजों ने बताया कि उन्होंने अपनी एक्स–रे रिपोर्ट मांगी, तो बताया कि इसका एक्स–रे नहीं निकल पाएगा, क्योंकि उनके पास फिल्म नहीं है। अगर ज्यादा जरूरत हो, तो कंप्यूटर पर दिख रहे एक्स–रे की मोबाइल से फोटो खींच लें। मजबूरन उन्हें एक्स–रे की फोटो खींचनी पड़ रही है। इस संबंध में सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी ने बताया कि जो आरोप मरीज लगा रहे हैं कि वह गलत है। एक्स–रे फिल्म पर्याप्त है। केवल उन लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है, जिसमें टीबी के लक्षण हैं। 32 लाख लोगों में पांच लाख लोगों को टीबी

के उच्च जोखिम में चिह्नित किया गया था, जिनकी स्क्रीनिंग की जा रही है।डॉक्टर भ्रमण पर, स्टाफ नर्स कर रहीं मरीजों का उपचारनगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नौरंगाबाद में 10 फरवरी को ड्यूटी के समय डॉक्टर मौजूद नहीं थीं। उनकी जगह स्टाफ नर्स मरीजों का उपचार कर रही थीं। डॉक्टर के न होने से मरीजों को परेशानी हुई है।स्वास्थ्य केंद्र में आसपास इलाकों से सर्दी, बुखार, खांसी, जुकाम सहित अन्य बीमारी से पीड़ित मरीज रोजाना (रविवार को छोड़कर) पहुंच रहे हैं, जिनकी संख्या करीब 100 रहती है। दोपहर 12रू30 बजे डॉक्टर नहीं थीं। मरीजों ने पूछा तो बताया गया कि वह विभागीय कार्यक्रम में शामिल होने गई हैं। केंद्र पर मौजूद स्टाफ नर्स ने मरीजों को देखा और दवाएं भी लिखीं। मरीज रामवती ने बताया कि डॉक्टर को दिखाने के लिए आई थीं। जब डॉक्टर नहीं मिलीं तो स्टाफ नर्स को दिखाया। उन्होंने दवाएं भी लिखीं। मरीज प्रमोद ने बताया कि स्टाफ नर्स ने दवाएं भी लिखीं। डॉक्टर के बारे में जानकारी ली, तो पता चला कि वह बाहर हैं। इस संबंध में सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी ने बताया कि विभागीय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए डॉक्टर गई होंगी। इस समय स्वास्थ्य विभाग के जागरूकता के कई कार्यक्रम चल रहे हैं।

अलीगढ़ में कब्रिस्तान पर बुलडोजर चलाने से हंगामा हुआ

अलीगढ़ जिले में प्रशासन ने पुराने कबि.स्तान पर बनी कच्ची कब्रों पर बुलडोजर चलवाकर कब्रों को जमींदोज करा दिया है। कब्रिस्तान पर बुलडोजर चलाए जाने से स्थानीय लोग भड़क गए और हंगामा करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया।

स्थानीय लोगों द्वारा हंगामे किए जाने की सूचना पर इलाका पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। वहीं स्थानीय लोगों ने इस बात की थाने में लिखित तहरीर दी और कार्रवाई की मांग करी है।अलीगढ़ के कस्बा गंगीरी के गांव शादीपुर के पास बने एक पुराने कब्रिस्तान में प्रशासन द्वारा बुलडोजर की कार्रवाई किए जाने से स्थानीय लोग भड़क गए। स्थानीय लोगो ने इसका विरोध करते हुए हंगामा और प्रदर्शन शुरू कर दिया। वहीं प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप है कि ग्राम प्रधान,सचिव और लेखपाल ने कूड़ा से कंचन केंद्र बनाने के लिए कब्रिस्तान पर बुलडोजर चलवा दिया और कच्ची कब्रों को नष्ट करा दिया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को बमुश्किल समझाबुझा कर मामले को शांत कराया।. रातों रात चलवा दिया गया बुलडोजर स्थानीय आरिफ खां व महबूब खां ने बताया कि शादीपुर गांव के पास ही काफी पुराना कब्रिस्तान बना है, यहां पर कच्ची कब्रें बनी हुई है। ग्राम प्रधान और लेखपाल ने कब्रिस्तान की जमीन की जांच कराई तो पता चला कि कब्रिस्तान की जमीन ग्राम सभा की सरकारी जमीन है। दरअसल, कब्रिस्तान की यह जमीन सरकारी दस्तावेजों में ग्राम समाज की खलिहान की जमीन के रूप में दर्ज है। इसलिए इसको खाली करा कर यहां पर कचरा से कंचन केंद्र बनाने की तैयारी हुई। इसके बाद रात को जेसीबी चलवा कर जमीन को समतल करा दिया गया।ग्राम सभा की जमीन बता कर पैमा.इश वही लेखपाल अतेंद्रपाल सिंह ने बताया कि करीब एक माह पहले ग्राम प्रधान ने तीन जगह ग्राम सभा की जमीन बता कर पैमाइश कराई थी। इसमें पता चला कि कब्रिस्तान की जमीन खलिहान की है। ग्राम प्रधान ने ही कब्रिस्तान पर जेसीबी चलवाई होगी, वह वहां नहीं गए थे। ग्राम प्रधान के भाई अख्तर हसन ने बताया कि पूरा परिवार एक गमी में गया था। उन्होंने जेसीबी नहीं चलवाई। एसओ सुमित गा.स्वामी ने बताया कि जमीन तो खलिहान की बताई जा रही है, लेकिन कब्रिस्तान बना रहेगा। वहां बनी कोई कब्र नहीं हटाई जा रही है। गुस्साए ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान,लेखपाल और सचिव के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस कार्रवाई से स्थानीय लोग भड़क गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने कल 10 फरवरी 2025 दिन रविवार की दोपहर में प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थानीय नागरिक आरिफ व महबूब सहित कई लोगों ने थाने में लिखित तहरीर दी है। इसमें कब्रिस्तान की जमीन पर बनी कब्रें तोड़े जाने के विरोध में ग्राम प्रधान, लेखपाल व सचिव के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की गई है। प्रदर्शन करने वालों में आरिफ खां, महबूब खां, आसिफ खां, सगीर खां, पप्पन खां, रानी बेगम, बानो बेगम, नगीना बेगम, समीना बेगम सहित काफी लोग मौजूद थे।

पापा माफ करना मैं आपकी नालायक बेटी थी, लिखकर युवती ने की आत्महत्या, प्रेमी को ठहराया मौत का जिम्मेदार

पापा मैं आपकी नालायक बेटी थी। मैं आपके अरमानों पर खरी नहीं उतर सकी, इसलिए आत्महत्या कर रही हूं। मुझे माफ करना...यह लिखकर एक युवती किरन (20) ने 9 फरवरी रात अपने घर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मरने से पहले उसने माता–पिता, भाई और बहन के नाम पर चार–पांच पत्र लिखे हैं। पुलिस के अनुसार एक पत्र में युवती ने अपने प्रेमी को मौत का जिम्मेदार ठहराया है।किरन गांव हिदरामई निवासी राणा प्रताप सिंह की पुत्री थी। राणा प्रताप सिंह परिवार के साथ करीब 18 साल से अलीगढ़ रोड पर गंगीरी चौराहे पर रहते हैं। वह टेंपो चलाते थे, लेकिन काफी समय से मान.सिक रूप से अस्वस्थ हैं। पत्नी उन्हें इलाज कराने के लिए पंजाब लेकर गई हुई है। उनके चार बच्चे हैं। इनमें बड़ा बेटा चमन (24) अपनी पत्नी सहित दिल्ली में रहता है। घर पर बड़ी बेटी किरन (20), करिश्मा (18) रमन (16) थे। रविवार रात किरन अलग कमरे में सोई थी।10 फरवरी की सुबह करिश्मा और रमन की आंख खुली और किरन नजर नहीं आई, वह उसे जगाने के लिए कमरे में पहुंचे। दरवाजा खोलते ही उन्होंने किरन को फंदे पर लटके देखा तो शोर मचाया। इस पर आसपास के लोग भागकर अंदर पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। एसओ सुमित गोस्वामी ने बताया कि किरन दसवीं कक्षा तक पढ़ी थी।मौके से एक सुसाइड नोट में किरन नाम की युवती ने अपनी मौत के लिए संजू नाम के प्रेमी को जिम्मेदार ठहराया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। हालांकि प्रथमदृष्टया मौत का कारण आत्महत्या प्रतीत हो रहा है। अभी मामले की तहरीर नहीं मिली है।

बन्नादेवी पुलिस व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग नगर,सर्विलांस की संयुक्त टीमों को मिली बड़ी सफलता

अलीगढ़।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध की रोक.थाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बन्नादेवी पुलिस टीम द्वारा एसओजी सिटी व सर्विलांस टीम के साथ संयुक्त कार्यवाही में वांछित चार शातिर चोरों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की गई. ।इनमें वारिस पुत्र फत्ते मौहम्मद निवासी नीवरी मोड़ गोण्डा रोड थाना रोरावर जनपद अलीगढ़,विमल मेहरा पुत्र मोहन मेहरा निवासी कासीराम योजना कालिन्दी विहार थाना ट्रांसयमुना जिला आगरा, सोमेन्द्र वर्मा पुत्र सुभाष चन्द्र वर्मा निवासी 17ध्19 टीला माई थान घटिया थाना कोतवाली जनपद आगरा और वैभव विलास निकम पुत्र भीमराव निकम निवासी चिचनी थाना बीटा जिला सागनी खानापुर महाराष्ट्र को चोरी के कुल 662 ग्राम सोना,डेढ़ किलो चांदी,माल बेचकर खरीदी गई दो नई मोटरसाईकिल बुलट व पल्सर,एक मोबाइल फोन व तीन लाख रुपये नगद सहित कब्रिस्तान की वाउण्ड्री वाल के अन्दर सरकारी नलकूप के पास बरौला जाफराबाद रोड से गिरफ्तार किया गया । वहीं माल बरामदगी के आधार पर धारा की बढोत्तरी की गयी साथ ही अभियुक्त वा.रिश से एक अवैध देशी तमंचा दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किये गये। पुलिस सूत्रों की मानें तो छब्बीस जनवरी की रात्रि में विक्रम मार्केट के बराबर रेलवे रोड स्थित सोना चाँदी गलाने (ढ़लाई) की दुकान से चोरी की सूचना पर एसएसपी अलीगढ़ के निर्देशन में थाना प्रभारी बन्नादेवी पंकज मिश्रा व क्रिमिनल इंटेलीजेंस विंग नगर,सर्विलांस टीमों ने सीसीटीवी,सर्विलांस की मदद से चोरों तक पहुँचकर शत–प्रतिशत माल की बरामदगी की गई।बताया जाता है कि थाना बन्नादेवी, सर्विलांस स्वॉट टीम नगर के विशेष प्रयासों से 500 से अधिक सीसीटीवी फुटेज चेक करते हुए सप्ताह भर में जनपद हाथरस एवं आगरा के इलाकों में एक दर्जन से अधिक दविश दी गई एवं अथक प्रयास से चोरों की तलाश करते हुए शतप्रतिशत माल सहित सभी शातिर चोरों को गिरफ्तार किया गया और इन अभियुक्तों का पुराना अपराधिक इतिहास है। खास बात ये है कि इस ऑपरेशन को सफल बनाने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना बन्ना देवी पंकज कुमार मिश्रा,निरीक्षक अपराध वीरेन्द्र कुमार भारती,उपनिरीक्षक इजहार अहमद, सन्तोष कुमार,महीपाल सिंह,कांस्टेबल संदीप शर्मा,मोहित कुमार,आशीष कुमार, राहुल कुमार,मुरारीलाल का विशेष सहयोग रहा।

आपत्तिजनक भाषण एएमयू छात्र ने विवि प्रशासन की ओर से दर्ज कराई एफआईआर को दी चुनौती, पहुंचा हाईकोर्ट

एएमयू में बीआर्क के छात्र मिस्बाह कैसर के खिलाफ विवि प्रशासन ने मुकदमा दर्ज कराया है, जिसमें आरोप है कि उसने विवि के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण दिया है।अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एक छात्र ने विवि प्रशासन की ओर दर्ज कराई गई एफआईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। साथ ही एफआईआर को रद्द करने व गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई है।एएमयू में बीआर्क के छात्र मिस्बाह कैसर के खिलाफ विवि प्रशासन ने मुक.दमा दर्ज कराया है, जिसमें आरोप है कि उसने विवि के खिलाफ आपत्तिजनक भाषण दिया है। छात्रों को विवि के खिलाफ भड़काया है। यह भी आरोप है कि उसने एक घातक हमला करने की नीयत से कुलपति के वाहन को रोकने और नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया है। मामले में याची छात्र ने दर्ज एफआ.ईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याची का दावा है कि कथित घटना के दिन 100–125 की संख्या में छात्रों ने आगामी परीक्षाओं से संबंधित मुद्दे उठाए थे। कोई भी आपत्तिजनक भाषण नहीं दिया गया। सारे आरोप मनगढ़ंत हैं। कथित घटना के आधार परविश्वविद्यालय ने उसे निलंबित कर दिया है तथा उसके प्रवेश पर रोक लगा दी है। छात्रावास खाली करने का भी आदेश दिया गया।

आधा दूध, आधा पानी, प्रयोगशाला ने 67 नमूनों की बताई यह कहानी

अलीगढ़ महानगर में सप्लाई किए जा रहे दूध में भारी मिलावट की जा रही है। प्रयोगशाला से जारी दूध के 67 नमूनों की रिपोर्ट में साफ हो गया है कि जितना दूध था लगभग उतना ही पानी मिलाया गया है। पहले दूध से फैट निकाला गया और फिर मिल्क पाउडर मिलाकर दूध को गाढ़ा करने की कोशिश हुई। यह सभी सैंपल गांव से आने वाले दूध से लिए गए थे। यह दूध कालोनी और मुहल्लों में सप्लाई हो रहा था।अलीगढ़ में मिलावटी दूध की बिक्री को लेकर आए दिन शिकायतें गूंजती रहती हैं। शासन तक भी यह मामले पहुंच चुके हैं। लगातार गूंजती शिकायतों के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने दूध के यह सैंपल 31 जनवरी 2025 तक जिले में अलग–अलग स्थानों से लिए थे । शहर में 266 ठिकानों पर जांच की गई। इनमें मुहल्ले स्तर पर संचालित होने वाली डेयरियां भी थीं। फूड इंस्पेक्टरों ने 120 नमूने लेकर जांच के लिए आगरा की प्रयोगशाला में भेजे थे। आठ फरवरी को इन नमूनों की जांच प्राप्त हुई है। इनमें सर्वाधिक दूध के 67 नमूने फेल आए हैं। दूध में पानी के साथ मिल्क पाउडर पाया गया है। दूध में कई जगह तो आधा पानी मिलाया गया है।यह है जिले में दूध की मांग और आपूर्ति की स्थितिगत 13 वर्षों में पशुओं की संख्या घटी है और जिले में दूध की मांग बढ़ी है। जाहिर है मिलावटी दूध की सप्लाई से मांग और आपूर्ति का अंतर पाटा जा रहा है।इस तरह कम हुए पशुवर्ष 2012 में जिले में भैंस की संख्या 11.30 लाख थी। जो वर्तमान में 9.70 लाख है। इसमें 3.90 लाख दुधारू भैंस हैं।वर्ष 2012 में गायों की संख्या 2.02 लाख थी। वर्तमान में गायों की संख्या 1.27 लाख है। इसमें दुधारू पशुओं की संख्या करीब 40 हजार है।इतना दूध चाहिए जिले को.जिले में 6 लाख लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन, जबकि 7 लाख लीटर प्रतिदिन की खपतएक लाख लीटर की मांग दिल्ली से पैक्ड दूध की आपूर्ति से पूरी होती है।3.50 लाख लीटर पैक्ड दूध की खपत जिले में विभाग ने पनीर के 57 नमूने जांच को भेजे, इनमें से 36 नमूने फेल आए हैं। जबकि खोआ के 50 नमूने जांच के लिए भेजे थे इनमें से 32 नमूने फेल आए हैं। पनीर को सोया, रिफाइंड और मिल्क पाउडर से तैयार किया जा

रहा था। इसी तरह खोआ को भी तैयार किया जा रहा था। एक किलो पनीर बनाने किए लिए पांच लीटर दूध की जरूरत होती है और यह 360 रुपयेप्रतिकिलोतक बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास मलहोत्रा कहते हैं कि सोया, रिफाइंड और पाउडर आदि के मिश्रण से जो पनीर बनाया जाता है वह बच्चों ही नहीं बल्कि बड़ों की सेहत के लिए भी बहुत हानिकारक है। इससे पाचन संबंधी जटिल समस्या हो सकती हैं। इस तरह के पनीर के लगातार सेवन से शरीर में बैड फैट, धमनी और तंत्रिका तंत्र में समस्या हो सकती है।पनीर, दूध और खोआ के जो भी नमूने फेल मिले हैं, संबंधित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। इन पर वाद विचाराधीन है। सुनवाई हो रही है। पिछले दिनों चंडौस सहित अन्य जगहों से नमूने भरे हैं। इनको जांच के लिए भेज दिया गया है।

जैन संत आचार्य विद्यासागर का प्रथम समाधि दिवस श्रद्धा और सेवा भाव से मनाया।

जैन समाज के सबसे उच्च संत संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर की महामुनिराज के प्रथम समाधि दिवस पूरे देश में विभिन्न धार्मिक, सामा.जिक कार्यों के साथ मनाया गया ।इसी श्रृंखला में अलीगढ़ में भी जैन मिलन वर्द्धमान,अलीगढ़ नगर के तत्वावधान में सासनी गेट स्थित गौ शाला में गौ सेवा कार्य एवं आगरा रोड पर खीर वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के अध्यक्ष मोहित जैन एवं मंत्री मयंक जैन ने बताया कि आचार्य श्री गौ सेवा कार्य के लिए हमेशा प्रेरित करते रहे। समिति के संरक्षक राजीव जैन ,मुकेश जैन राजेंद्र मेटल वर्क्स ने बताया कि आचार्य श्री अत्यंत प्रभावशाली दिगंबर जैन साधु थे, जिन्हें शिक्षा और धार्मिक पुनरुत्थान में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने नियमों का पालन करते हुए बहुत ही कठोर तपस्वी जीवन व्यतीत किया। हमेशा नंगे पैर पूरे देश की पद यात्रा की। जैन समाज माननीय अमित शाह गृहमंत्री भारत सरकार का भी आभार व्यक्त करती है जिन्होंने अपने कर कमलों से जैन संत शिरोमणि विद्यासागर जी महाराज के प्रथम समाधि स्मृति में आचार्य विद्यासागर महाराज की तस्वीर वाला 100 रूपये का सिक्का जारी किया ,108 पदचिन्हों का विमोचन और 5 रुपए का डाक टिकट जारी किया । इस मौके पर पूर्व एमएलसी जगवीर किशोर जैन,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश कुमार जैन प्रशांत जैन ,नितिन जैन ,कुणाल जैन ,नवनीत जैन,पवन जैन ,दीपेंद्र जैन,सागर जैन , सीनेश जैन ,निशांत जैन,राजा जैन,अतुल कुमार जैन,नीरज जैन उपस्थित रहे।

हाथरस के सादाबाद क्षेत्र में रजवाहे की पटरी कटने से किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा

हाथरस के सादाबाद क्षेत्र में रजवाहे की पटरी कटने से किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। रसी. दपुर गांव में हुई इस घटना में बड़े पैमाने पर आलू की फसल जलमग्न हो गई, जिससे किसानों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।स्थानीय किसानों के अनुसार, यह कोई पहली घटना नहीं है। पहले भी कई बार रजवाहे की पटरी कटने से खेतों में पानी भर चुका है, लेकिन सिंचाई विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस बार भी जब घटना की सूचना विभाग के अधिकारियों को दी गई, तो कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचपरिस्थितियों की गंभीरता को देखते हुए किसानों को खुद ही रजवाहे की पटरी की मरम्मत करनी पड़ी। यह स्थिति सिंचाई विभाग की लापरवाही को दर्शाती है, जो किसानों की समस्याओं के प्रति उदासीन रवैया अपनाए हुए है। इस तरह की घटनाओं से न केवल किसानों की फसल को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि उनको आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

फर्जी खसरा–खतौनी जारी करने वाला तहसील . का संविदा कर्मी गिरफ्तार

गत वर्ष नवंबर माह में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि कंप्यूटर में हेरा–फेरी कर कई लोगों को फर्जी खसरा–खतौनी और अन्य अभिलेख जारी कर दी गईं। इन पर लोगों ने बैंकों से ऋण भी ले लिया था। इसके खिलाफ 50 से अधिक लोगों के नाम अभिलेखों में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया।खतौनी और राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर फर्जी खसरा–खतौनी जारी करने वाले तहसील सिकंदराराऊ के संविदाकर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। 50 से अधिक लोगों को उसने फर्जी तौर पर जमीनों का मालिक बना दिया था। जमीन किसी की थी, उसमें फर्जी तौर पर सह खातेदार के नाम जोड़ दिए। सरकारी जमीनों का मालिक भी कुछ लोगों को बना दिया।गिरफ्तार आरोपी दलवीर सिंह कस्बे की नई कॉलोनी दमदपुरा का रहने वाला है और वह तहसील में संविदा पर कंप्यूटर ऑपरेटर और तकनीकी सहायक के तौर पर काम कर रहा था। गत वर्ष नवंबर माह में उसके खिलाफ राजस्व निरीक्षक रामवीर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी और उस पर कंप्यूटर में हेरा–फेरी कर कई लोगों को फर्जी खसरा–खतौनी और अन्य अभिलेख जारी करने का आरोप लगाया था। इन पर लोगों ने बैंकों से ऋण भी ले लिया था।इसके खिलाफ 50 से अधिक लोगों के नाम अभिलेखों में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया था। कुछ लोगों के नाम जमीन के असली मालिकों के साथ फर्जी तौर पर जोड़ दिए थे। ग्राम समाज की ऊसर जमीन,चरागाह, आबादी में सुरक्षित जमीन, खाद के गड्ढों की जमीन, पौधरोपण के लिए सुरक्षित जमीन का मालिक कुछ लोगों को बना दिया।त. हसील बार एसोसिएशन ने इसकी शिकायत की थी, जिसके बाद जांच की गई तो गांव गुलाबपुर, दौलतपुर, ग्राम खेड़िया, नगला विजन, टीकरी खुर्द आदि गांवों का यह बड़ा भूमि घोटाला सामने आया था। कोतवाली पुलिस ने दलवीर सिंह को 10 फरवरी को कस्बे के मो. हल्ला दमदपुरा नई कॉलोनी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का दावा है कि वह गिरफ्तारी के समय कहीं भागने की तैयारी कर रहा था और सूचना मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

सादाबाद तहसील में एक दर्दनाक हादसे ने परिवार को झकझोर कर रख दिया

सादाबाद तहसील में एक दर्दनाक हादसे ने परिवार को झकझोर कर रख दिया। गांव ढकपुरा में आलू के खेत में खेल रहे 5 वर्षीय मासूम की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मासूम अपनी मां के साथ ग्राम नगला मुरली और बक्सा के बीच स्थित आलू के खेतों में गया था। जहां उसकी मां अन्य मजदूरों के साथ आलू इकट्ठा करने में व्यस्त थी और बच्चा खेत में खेल रहा था।ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे की मौतअच. नक खेत में आलू खोदने वाले ट्रैक्टर की चपेट में आने से बच्चे की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आ. सपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मासूम की मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। दुर्भाग्य से घटना के समय मासूम का पिता काम के सिल. सिले में बाहर गया हुआ था।बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा पुलिस अधिकारी शिव हिमांशु माथुर ने बताया कि बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर मिलने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना ने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है।

मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रिकॉर्ड 102 लोगों को कुत्ते के काटने के कारण रेबीज का टीका लगाया

सासनी क्षेत्र में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रिकॉर्ड 102 लोगों को कुत्ते के काटने के कारण रेबीज का टीका लगाया गया।इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की भारी भीड़ देखी गई।फार्मासिस्ट अनिल जायसवाल, शैलेंद्र सिंह और प्रीति ने संयुक्त रूप से सभी पीड़ितों का टीकाकरण किया।स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर साहब सिंह के अनुसार, मौसम परिवर्तन के कारण कुत्तों में आक्रामक व्यवहार देखा जा रहा है। उन्होंने नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है।स्थानीय प्रशासन से आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर तत्काल ध्यान देने की मांग की जा रही है, क्योंकि यह स्थिति आम नागरिकों, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक साबित हो रही है।स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे कुत्ते के काटने की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सहायता लें और पूरा टीकाकरण कराएं।

होली पर नोएडा मार्ग पर बसों के संचालन की तैयारी

हाथरस डिपो के अधिकारियों ने होली के त्योहार को भुनाने की तैयारी शुरू कर दी है। 15 नई बसें मिलने के बाद इन्हें कई मार्गों पर चलाने की तैयारी की जा रही है। मुख्य रूप से हाथरस से नोएडा के लिए बसों का संचालन किया जाएगा। हाथरस से नोएडा के लिए दिवाली, होली और अन्य त्योहारों पर बड़ी संख्या में यात्रियों का आवागमन होता है। इस दौरान यात्रियों को इस मार्ग पर सफर कराने का पूरा दारोमदार नोएडा डिपो की बसों पर ही रहता है, लेकिन अब हाथरस डिपो भी अपनी बसों को नोएडा मार्ग पर चलाएगा। इससे पहले हाथरस डिपो की ओर से दो वातानुकूलित बसों को नोएडा मार्ग पर दौड़ाया गया था, लेकिन किराया अधिक होने के चलते यह प्रयोग सफल नहीं हो

पाया था।अब हाथरस डिपो होली के त्योहार पर नोएडा के लिए बसें चलाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए डिपो की ओर से खाका तैयार कर लिया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक के स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद हाथरस डिपो की ओर से नोएडा के लिए बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। प्रभारी सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सुमित अवस्थी ने बताया कि जल्द ही बसों के संचालन की घोषणा कर दी जाएगी।

हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव बाघऊ में एक विवाहिता . की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया

हाथरस जंक्शन कोतवाली क्षेत्र के गांव बाघऊ में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान 28 वर्षीय हेमा के रूप में हुई है, जिसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। आठ साल पहले हेमा की शादी राहुल से हुई थी और इस दौरान उसने दो बच्चों को जन्म दिया। मृतका का मायका अलीगढ़ के कस्बा विजयगढ़ के मोहल्ला कसाई खाना में है। घटना की जानकारी मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। मृतका के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हेमा का पति शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। उन्होंने राहुल पर हत्या का आरोपलगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की छानबीन कर रही है।

हाथरस में भारतीय जनता पार्टी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण

हाथरस में भारतीय जनता पार्टी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया। जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का आयोजन जनपद के सभी 15 मंडलों के बूथों पर किया गया।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के योगदान को याद करते हुए बताया कि वे 1967 में कालीकट अधिवेशन में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष चुने गए थे। उन्होंने जनसंघ के राष्ट्रजीवन दर्शन को आकार दिया और भारतीय तत्व–दृष्टि को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया। एकात्म मानववाद की विचारधारा देने वाले दीनदयाल जी स्वदेशी के प्रबल समर्थक थे और उनका मानना था कि आर्थिक विकास का मुख्य लक्ष्य आम आदमी का कल्याण होना चाहिए। कार्यक्रम में जिला महामंत्री रुपेश उपाध्याय, जिला मंत्री हरीश सेंगर, विष्णु बघेल, भूपेंद्र कौशिक समेत कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे। मीतई मंडल के रुद्र फार्म स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में विधायक अंजुला सिंह माहौर, पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य और मंडल अध्यक्ष स्मृति पाठक ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

शहबाजपुर से 27 दिन पूर्व लापता नाबालिग किशोरी का नहीं चला पता, पीड़ित पिता रो रोकर लगा रहा अधिकारियों के .चक्कर, हसायन पुलिस ने नहीं की रिपोर्ट दर्ज

15 जनवरी 2025 को हसायन थाना क्षेत्र के गाँव शहबाजपुर की एक किशोरी लापता होगई, पीड़ित पिता के द्वारा हसायन थाने में तहरीर दी गई लेकिन हसायन पुलिस के द्वारा 27 दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की है। उल्टा–पिता से कहा जा रहा है कि जब अब तक नहीं मिली तो दो–चार दिन और इंतजार कर लो आराम से तलाश कर लेंगे। पीड़ित पिता के द्वारा गांव की एक महिला और युवक पर उसकी बेटी को गायब करने का आरोप लगाए गया हैं। पीड़ित पिता रोते हुए पुलिस की चौखट से चौखट घूम रहा है पर किसी ने भी उसकी बेटी को खोजने का प्रयास नहीं किया है। रोते हुए पीड़ित पिता ने अपना दर्द सीओ सिकंदरा राऊ को बताते हुए प्रार्थना पत्र दिया है और बेटी को ढूंढने की गुहार लगाई है।

हाथरस के मुरसान कोतवाली क्षेत्र के गांव . चोकड़ा में एक घटना सामने आई

हाथरस के मुरसान कोतवाली क्षेत्र के गांव चोकड़ा में एक घटना सामने आई है। यहां 18 वर्षीय पूजा पुत्री विनोद कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पूजा कक्षा 11 की छात्रा थी और 1 मार्च को उसकी शादी होने वाली थी।घटना की जानक. ारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां एक नया विवाद खड़ा हो गया। दरअसल, मृतका के परिजन बिना पुलिस को सूचित किए शव का अंतिम संस्कार करने ले जा रहे थे। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया। इस दौरान परिजनों और पुलिस के बीच तीखी बहस और झड़प हुई। सादाबाद हिमांशु माथुर कई थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। लंबी कशमकश के बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के वास्विक कारणों का पता चल सकेगा। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

हाथरस के हसायन कस्बे में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक भव्य शिव अवतरण संदेश यात्रा का आयोजन किया गया

हाथरस के हसायन कस्बे में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक भव्य शिव अवतरण संदेश यात्रा का आयोजन किया गया। यह विशेष शोभायात्रा मोहल्ला किला खेड़ा स्थित लोटस हाउस से प्रारंभ हुई।कार्यक्रम की शुरुआत बी.के. शांता बहन ने की, जिन्होंने भगवान शिव की शिवलिंग मूर्ति के समक्ष सुगंधित धूप प्रज्ज्वलित कर और ध्वज पताका दिखाकर यात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा ने कस्बे के विभिन्न गली–मोहल्लों का भ्रमण किया और अंत में लोटस हाउस पर वापस पहुंचकर संपन्न हुई। इस धार्मिक आयोजन में ब्रह्मकुमारी संस्थान के कई प्रमुख सदस्य शामिल हुए, जिनमें बी.के. मीना बहन, बी. के. दुर्गेश बहन, बी.के. उमा बहन, बी.के. मोहिनी बहन, बी.के. विपिन भाई, बी.के. स्वेता बहन समेत कई अन्य सदस्य मौजूद थे। कस्बे और आसपास के देहात क्षेत्र से बड़ी संख्या में धार्मिक श्रद्धालु, महिलाएं, पुरुष और युवा भी इस यात्रा में सम्मिलित हुए। यात्रा के दौरान भक्तिमय माहौल देखने को मिला और स्थानीय लोगों ने इस आयोजन में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

बैंक का कर्ज जमा नहीं करने वाले 39 किसानों की खेती नीलाम होगी

भूमि विकास बैंक से कर्ज लेकर जमा नहीं करने वाले क्षेत्र के 39 किसानों के खेत नीलाम किए जाएंगे। इन किसानों की लगभग 80 एकड़ भूमि गिरवी रखी है, जिस पर ब्याज सहित लगभग पौने दो करोड़ रुपये का कर्ज है।बैंक की ओर से कर्जदार किसानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। भूमि विकास बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अर. विंद कुमार मुदगल एवं शाखा अकराबाद के प्रबंधक पंकज कुमार ने बताया कि जिन किसानों ने अपने खेतों को गिरवी रख कर बैंक से कर्ज लिया और उसको जमा नहीं किया है, ऐसे किसानों की भूमि धारा 92 (क) व धारा 92 (ख) के अंतर्गत कुर्क करा कर नीलाम कराई जाएगी। बकायेदारों के विरुद्ध साइटेशन ६ वारंट जारी किए गए हैं। बैंक के मृतक ऋणी सदस्यों को एकमुश्त समाधान योजना के अंतर्गत दी जा रही छूट की समयावधि भी समाप्त हो रही है। ऐसे सदस्यों के परिजन समय रहते अपना खाता बंद करा दें।

मकानों पर लगाए घर बिकाऊ है के पोस्टर

सोरोंजी। क्षेत्र के गांव सराय जुन्नारदार में होलिका रखने का विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। हिंदू समाज के लोग होलिका विवाद को लेकर आहत हैं। उन्होंने अपने घरों पर मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा करके फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इसके बाद प्रशासन ने गांव के लोगों को समझाने की कोशिश की। साथ ही विवाद का निस्तारण करने का भरोसा दिया है। मंगलवार का समय समस्या निस्तारण के लिए निर्धारित किया है।सराय जुन्नारदार गांव में अल्पसंख्यक आबादी बहुसंख्यक रूप में है। पिछले वर्षों में भी यहां होलिका रखने को लेकर विवाद होता रहा है। बताया गया कि पहले मस्जिद के गेट से 20 मीटर पहले होलिका दहन होता था, लेकिन इस पर दूसरे समुदाय के लोगों ने आपत्ति की इसके बाद स्थान परिवर्तित हुआ। बाद में सरकारी स्कूल के पास होलिका रखवा दी गई। किंतु 5–6 वर्ष पूर्व इस स्थान पर आंगनबाड़ी केंद्र बन गया और होलिका दहन के स्थल को लेकर विवाद शुरू हो गया। ऐसी स्थिति में समस्या का निस्तारण नहीं होने पर ग्रामीणों न मकान बिकाऊ है के पोस्टर चस्पा कर दिए। गांव के ग्रामीण महेंद्र सिंह ने बताया कि पहले गांव के पूरब में होली रखी जाती थी, लेकिन भाईचारे से स्थान परिवर्तित कर लिया गया, लेकिन अब फिर से होलिका दहन के लिए स्थान चिह्नित करने की ग्रामीण मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने ऐसी स्थिति को देखते हुए मकान बिकाऊ है के पोस्टर लगाए हैं। उनका कहना है कि जब त्योहार की गांव में नहीं मना सकते तो गांव में रहने का क्या फायदा।इस मामले को लेकर एसडीएम संजीव कुमार, सीओ आंचल चौहान, इंस.

पेक्टर जगदीश चंद्र ने सोरोंजी कोतवाली में गांव के हिंदू समाज के लोगों के साथ बैठक कर ग्रामीणों से होलिका दहन के स्थान को लेकर चर्चा की। कई स्थान सुझाए गए। एसडीएम व सीओ ने भरोसा दिया कि मंगलवार को वह गांव में पहुंचकर इसका निस्तारण कर देंगे और स्थायी रूप से होलिका दहन के लिए स्थल का चयन होगा। इसके बाद लोग वापस चले गए। एसडीएम व सीओ को भरोसा दिया कि वह गांव में जाकर पोस्टर हटा लेंगे

एटा महोत्सव में आयोजित राष्ट्रीय कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी में इंटरनेट दिवस के अवसर पर एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया

एटा महोत्सव में आयोजित राष्ट्रीय कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी में इंटरनेट दिवस के अवसर पर एक विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। अपर जिला मजिस्ट्रेट सत्यप्रकाश सिंह और मुख्य विकास अधिकारी नागेन्द्र नारायण मिश्रा की उपस्थिति में एनआईसी एटा द्वारा यह एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव और इससे जुड़े खतरों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि इंटरनेट ने औद्योगिक, कृषि, शिक्षा और सरकारी कामकाज में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। हालांकि, साथ ही साइबर फ्रॉड और डिजिटल अपराधों में भी वृद्धि देखी जा रही है।साइबर सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए, जिनमें अनजान कॉल्स पर ओटीपी या सीवीवी नंबर शेयर न करने की सलाह प्रमुख थी। विशेषज्ञों ने भविष्य में डिजिटल क्रांति के लिए तैयार रहने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया और लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

एटा जिले में सड़क हादसे में 25 वर्षीय महिला की मौत

एटा जिले में सड़क हादसे में 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के लिप्टन चौकी के पास देर रात दो बाइकों की आमने–सामने भिड़ंत में रविता नाम की महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।घटना उस समय हुई जब रविता अपने पति निर्देश कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर जा रही थी। लिप्टन चौकी के पास हाईवे पर सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को तत्काल एटा स्थित जिला मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि, दुर्भाग्यवश रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने पं. चनामा की प्रक्रिया पूरी कर ली है। मृतका रविता ग्राम रुपधनी थाना जैथरा की निवासी थी। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

एटा में एक सड़क हादसे में एक दुकानदार की मौत

एटा में एक सड़क हादसे में एक दुक. ानदार की मौत हो गई। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के आगरा रोड पर बहादुरगढ़ गांव के पास टूंडला से आ रही तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में नगला खाली निधौली कलां निवासी सुनील कुमार (पुत्र श्यामवीर सिंह) की मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस कर रही मामले की जांच घटना दोपहर की है। जब सुनील जूता–चप्पल का सामान लेकर अपनी दुकान की ओर लौट रहे थे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची कोतवाली देहात पुलिस ने घायल सुनील को तत्काल एटा स्थित वीरांगना अवंती बाई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा कर पा. `स्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। मौत की खबर सुनते ही परि. जनों में कोहराम मच गया। अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कासगंज सड़क निर्माण के बाद मिट्टी उठाना भूले जिम्मेदार! बाजार में उड़ रहे धूल के गुबार से लोग परेशान

कासगंज कस्बे के गुड़ मंडी में कराए गए सीसी निर्माण के बाद सड़क पर जगह–जगह डाले गए मिट्टी के ढेर हटाना जिम्मेदार भूल गए। इससे आने–जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों ने जिलाधिकारी से समस्या के निदान कराए जाने की मांग की है। एक माह से सड़क पर जगह–जगह मिट्टी डाले जाने से दुकानदार राहगीर काफी परेशान है। स्थिति यह है कि दिनभर धूल के गुबार उड़ते रहते हैं।इससे दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। बाजार से वाहन गुजरने के बाद तो दुकानदारों का दुकानों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। दिनभर सड़क पर पानी डालने के बाद भी परेशानी कम नहीं होती है। सड़क पर लगाए गए मिट्टी के ढेर हादसों को न्योता दे रहे हैं। मिट्टी के ढेर के चलते हादसा होने की आशंका बनी हुई है। कस्बा के लोगों ने जिलाधिकारी से समस्या के निदान कराए जाने की मांग की है। मांग करने वालों में विजय प्रकाश गुप्ता, वेद प्रकाश गुप्ता, रो. हित दुबे, मनोज गुप्ता, बसंत गुप्ता, बबलू मित्तल, अशोक गुप्ता, फाईम, राहुल, मेहंदी हसन, नसरुद्दीन, राहुल, गौरव, दीपचन्द्र आदि शामिल हैं।

जनपद एटा को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में प्रदेश में प्रथम स्थान

एटा, 11 फरवरी 2025: जिलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ. नागेंद्र नारायण मिश्र के नेतृत्व में जनपद एटा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत जनवरी 2025 माह के लिए सीएम डैशबोर्ड संकेतांक पर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है मुख्यमंत्री कार्यालय से 10 फरवरी 2025 को जारी रैंकिंग में एटा जनपद को यह उपलब्धि प्राप्त हुई। यह पहली बार है जब पिछले 17 वर्षों में जनपद एटा को श्रमिक परिवारों को अधिकतम रोजगार उपलब्ध कराने में प्रदेश में पहला स्थान मिला है। यह उपलब्धि प्रशासन द्वारा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और श्रमिकों को समय पर रोजगार प्रदान करने के परिणामस्वरूप संभव हुई है।

कासगंज मंगलवार की सुबह थाना सहावर पुलिस, एस ओजी, सर्विलांस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली

कासगंज : मंगलवार की सुबह थाना सहावर पुलिस, एसओजी, सर्विलांस की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता मिली। चे. कंग में गिरफ्तार हुए एक तमंचाधारी युवक के घर से बड़ी मात्रा में अवैध असलाहों का जखीरा बरामद हुआ है। युवक गैंगस्टर का आरोपी है। उसके घर से भारी मात्रा में तमंचा, पिस्टल और अलग–अलग बोर के कारतूस के अलावा नशीला पदार्थ बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस ने प्रेसवार्ता के बाद शातिर आरा. `पी को जेल भेजा है। एसपी अंकिता शर्मा ने पुलिस सभागार में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार की सुबह सहावर सीओ शाहिदा नसरीन के नेतृत्व में सहावर थाना पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम चेकिंग कर रही थी, इसी बीच पुलिस ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। इसके बाद पुलिस आरोपी को थाने ले गई।आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की। उसके घर से पांच अदद पोनिया 315 बोर व 12 बोर, दो अदद तमंचे 315 बोर, 2 अदद एयर गन 22 बोर, एक पिस्टल 32 बोर मय दो मैग्जीन, एक तलवार, 10 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर, 12 जिन्दा कारतूस 12 बोर, 8 जिन्दा कारतूस 9 एमएम, एक जिन्दा कारतूस 93 बोर, एक जिन्दा कारतूस 32 बोर, एक जिन्दा कारतूस अज्ञात बोर व 650 ग्राम नशीला पदार्थ (चरस) बरामद हुआ है। पुलिस ने शातिर आरोपी को पूछताछ के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां न्यायालय ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। एसपी ने बताया कि आरोपी मेहराज पुत्र आजम अली निवासी मौहल्ला काजी कस्बा सहावर के खिलाफ विभिन्न अपराधिक मामले में दर्ज हैं। मेहराज अवैध असलाहों का सप्लायर था। वह असलाह खरीदकर कासगंज के अलावा बाहरी जनपदों में अच्छी कीमतों में सप्लाई करता था।

एटा के जेलर... महिला ने की हाथापाई, बोली– कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर चुका अब मुझे मारने की धमकी

एटा। दारोगा के संगीन आरोपों से घेरे में आए जिला जेल के जेलर सोमवार को फिर आरोपों में घिर गए। शाम को जेलर आवास पर आगरा से पहुंची महिला ने शारीरिक शोषण के आरोप लगाकर जमकर हंगामा काटा।इसके बाद जेलर से हा. थापाई की। बचने के लिए जेलर आवास में छुपे रहे। महिला का आरोप है कि जेलर कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर चुका है। अब उसे गाड़ी से कुचलने की धमकी दी जा रही है। जेलर के आवास पर सोमवार शाम पांच बजे अपना चेहरा ढके हुए एक महिला पहुंची और आवास के गेट पर पहले सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गई। महिला का कहना था कि जेलर प्रदीप कश्यप की गोरखपुर व आगरा में तैनाती के दौरान वह उनके साथ रही। हंगामे के दौरान महिला जेलर के कमरे में घुसने लगी तो की कोशिश तो एक सिपाही ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह खींचतान कर अंदर दाखिल हो गई। जेलर कमरे से बाहर निकले और दोनों के बीच हाथापाई हो गई। 15 मिनट तक हंगामा चलता रहा और जेलर ने आवास में घुसने के बाद दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद महिला आवास से बाहर निकली। इसके बाद जेलर को सुरक्षा कर्मियों ने कमरे से निकाला और कारागार के गेट तक लेकर गए। हंगामे की सूचना पर मीडियाकर्मी पहुंच गए। महिला का आरोप है कि तीन वर्ष पूर्व जेलर ने उससे कहा था कि 11 वर्ष से उनकी पत्नी साथ नहीं रह रही, इसलिए अब जो कुछ हो तुम ही हो। बाद में जेलर अपने वायदे से मुकर गए। महिला का कहना था कि उसने डीजी जेल और डीआइजी जेल से एक सप्ताह पूर्व फोन पर शिकायत की थी। डीजी जेल की तरफ से कहा गया कि लिखित में शिकायत दें। महिला ने कहा कि पूरे प्रकरण के बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। महिला के अनुसार वह फिलहाल आगरा में रह रही है। उसे जेलर से जान का खतरा है। वह गाड़ी से कुचलकर मरवाने की धमकी दे चुका है। एक बार मारने के लिए एक युवक को पीछे लगा दिया था, लेकिन वह बच गई। जेलर का पक्ष जानने की कोशिश की, लेकिन कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया। पिछले महीने जेल में तैनात दारोगा राजीव कुमार ने वीडियो प्रसारित कर जेलर पर उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। आरोप में यह भी कहा था कि छुट्टी देने के लिए लड़कियों की मांग करते हैं। यह वीडियो खूब प्रसारित हुआ। डीआइजी जेल ने आगरा जेल के अधीक्षक को जांच के लिए एटा भेजा था। रिपोर्ट डीआइजी को सौंप दी थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि दारोगा कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं करा सका। दारोगा को दोषी मानते हुए कासगंज जेल से सम्बद्ध कर दिया गया।

एटा के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

एटा के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग की मौत हो गई। नगला धनी निवासी राजपाल सिंह गिट्टी के ढेर पर खड़े थे, तभी पास से गुजर रही ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। फिसलने के कारण वह ट्राली के पहिए के नीचे दब गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया।थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह के अनुसार, पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। हादसे में शामिल ट्रैक्टर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। जबकि चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। परिवार में कोहराम मच गया और परि. जनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस फरार चालक की तलाश में जुटी है।

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499